Self prediction

पर्सनिलिटी सहिष्णु सरल भाबुक ,सदा मुस्कुराने वाला,सबकी मदद करने वाला ,हंसमुख ,सबके साथ प्यार से रहना ,अभिनय कला मे रिच होना ,बोलने मे आतुरता ,अधिक बोलने वाले व स्पष्ट बोलने वाले ,ओर इसिलए दूसरों को सरलता से अपनी तरफ आकर्षित कर लेना ,परोपकारी ,बुरा करने वालों का भी हित करना . कभी कभी जल्दवाजी मे बिना सोच विचार के निर्णय लेते होंगे ओर कभी कभी निर्णय लेने मे असमंजस वाली स्तिथि भी होती होगी । अक्सर द्रण निर्णय लेने मे परेशानी होती होगी । ओर इस कारण बाद मे नुकसान अक्सर होता होगा ।

ग्रह प्रभाव <mark>एवं जन्म पंचांग ----- दिनांक 04/09/2001 10.57 am इलाहाबाद ,तिथि -कृष्ण पक्ष दिवितीय ,राशि मीन (जलतत्वीय दिविस्वभाव राशि),राशि स्वामी गुरु ,लग्न तुला(वायु तत्वीय ,चर लग्न),लग्न स्वामी शुक्र,नक्षत्र पूर्व भाद्रपद (4),नक्षत्र स्वामी गुरु ,गण -मानव ,नाड़ी -आदि ,वर्ण ==ब्राहमण .</mark>

लग्न	अंश	नछत्र	राशि स्वामी	मैत्री/अस्त	असर
	26.54	स्वामी	97-7	/वक्री	
तुला	26.54	गुरु	शुक्र		राशि व लग्न तत्वतः भिन्न होने से निर्णय लेने मे थोड़ा असमंजस होता हे ओर जीवन मे संघर्ष बड़ जाता हे लग्नेश
					अंश बल अच्छा हे लग्नेश शुक्र कर्म स्थान में ,जो भी काम करेंगे , सफलता मिलेगी । काम से ही फायदा व नाम होगा
					करेग , संपलता क्लिगा । काम स हा पायदा व नाम हागा
	17.50	ATT			
सूर्य	17.53	शुक्र	स्वराशि		एकादश मे स्वराशि सूर्य बहुत अच्छा ,पिता से सुख व
					सहयोग ,मान सम्मान मिलेगा । धन व स्व इच्छा पूर्ति
					होती रहेगी सरकारी नौकरी के लिए भी अच्छा ,
				. 00	आत्मविश्वास बलि होगा ।
चंद्रमा	02.22	गुरु	गुरु	अतिमित्र	कर्मस्थान का स्वामी चंद्रमा ,6 th मे गया है । शठबल मे
				,ਸ੍ਰੁੁੁੁੁਰ	कमजोर हे अकरक भी हे । । 6 th घर मे चंद्र की
				अवस्था	उपसतिथि इससे संबंधित रोग सर्दी झुकाम आदि दे सकती
				कमजोर	हे व कर्मफल प्राप्त करने मे थोड़ा मन की अशान्ति व
					संघर्ष देगी । कार्य स्थल पर उतार चडाव व कार्य मे बदलाव
					होंगे । चूंकि लग्नेश कर्म स्थान मे हे तो नौकरी से संबंधित
					समस्या हल भी होती रहेगी । भगवान शिव की पूजा करे
मंगल	03.52	केतु	गुरु	सम	कमजोर मंगल गुरु की राशि में गुरु से द्रस्त हे साथ ही
					अंगारक योग भी हे । मंगल तीसरे भाव मे कारक हे तो
					छोटे भाई बहन से अच्छे संबंध होंगे पर कमजोर हे तो ऊर्जा
					का सही उपयोग नहीं करेंगे । पराक्रम ज्यादा होने पर भी
					फल उपयुक्त नहीं प्राप्त होंगे कई वार मेहनत करने चाहते
					होंगे परंतु सही दिशा नहीं चुनने पर प्रयास व्यर्थ होगा ।
					ओर कई वार जल्दी हार भी मान लेते होंगे
बुध	10.45	चंद्रमा	स्वराशि		द्वादश में स्वराशि का बुध ,चालित में एकादश का फल दे
					रहे हे ओर बुध आदित्य योग का निर्माण हो रहा हे अच्छा
					हे इच्छा पूर्ति मे सहयोग मिलेगा । बुध भगयेश होकर 12
					th मे गए हे तब भाग्य में कमी करेंगे हे बुध बिजनस के
					लिए प्रभावी ग्रह हे ।बिजनस मे भी सफलता मिल सकती हे
					। सप्तम दरस्ती बुध की रोग भाव पर हे तो रोग मे कमी
					करेंगे । छोटी मोटी विदेश यात्राएं होती रहेंगी ।व्यय भाव मे
					बुध अपने से संबंधित कारकत्व को व्यय कराएंगे जैसे धन
					बर्च,वाणी का खर्च (ज्यादा बोलना) ।
गुरु	16.35	राहू	बुध	मित्र	गुरु भाव वरगोत्तम हुए हे । भाग्य भाव मे कारक हे अंश
					बल भी अच्छा हे तब समय समय पर भाग्य का साथ
					मिलेगा । रोग भाव के स्वामी हे तब छोटे मोटे पेट के रोग

दे सकते है दशा में । शत्रु न के बराबर होंगे । परक्राम के स्वामी अपने आव को देख रहे है तो मेहनत का फल भी समय समय पर मिलेगा पर राहू के नक्षत्र में, मंगल राहू व केतु के प्रभाव से मेहनत अधिक करनी होगी । गुरु की दरस्ती लग्न , पंचम,पराक्रम पर और राहू की भी सभी जगह दरस्ती हो तो सभी आव के अच्छे फल संघर्ष के बाद ही प्राप्त होंगे । शुक्र 15.44 शिन चंद्र शत्रु शुक्र लग्नेश है । ये कला, संगीत, कविता आदि में रुचि को दिखाता है कार्य क्षत्र में स्त्री का साथ व सहयोय होगा । स्त्री पत्नी भी हो सकती है । लग्नेश का कर्म स्थान में बैठना आपके संबंधित कार्य में सफलता और नाम कराएगा । अगर ऊर्जा का सही इस्तेमाल करे तो कार्य क्षेत्र में कामयवी पक्की है । शुक्र का चंद्रमा की राशि में और चंद्रमा का 6 th में बैठना कार्य में उतार चढ़ाव को दिखाता है । लेकिन कई ऐसी स्त्रियोयों बन रही है की कार्य में सफलता मिलेगी । शिन 20.37 चंद्रमा शुक्र अतिमित्र शिक्र में स्वर्ध में की दरस्ती संता हो । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्य के साथ प्राप्ति को ताक्ष होगा । पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संता हो। सर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष और थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ प्राप्ति को दिखाता है । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष और थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ प्राप्ति को दिखाता है । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष और थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ प्राप्त को देखाता है । सर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष के से स्था भी बनाते है । यह है अच्छे फल देंगे सोस भी केत्र मंगल के साथ प्राप्त के बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने में सहायक है परंत सही दिशा व दशा में किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने में मदद करेगा इसिलेए सोच विचार कर कदम उठायें						
समय समय पर मिलेगा पर राहू के नक्षत्र में ,मंगल राहू व केतु के प्रभाव से मेहनत अधिक करनी होगी । गुरु की दरस्ती लग्न ,पंचम,पराक्रम पर ओर राहू की भी सभी जगह दरस्ती है तो सभी भाव के अच्छे फल संघर्ष के बाद ही प्राप्त होंगे । शुक 15.44 शिन चंद्र शत्रु शत्रु शत्रु लग्नेश हैं । ये कला, संगीत ,कविता आदि में रुचि को दिखाता हे कार्य क्षत्र में सत्री का साथ व सहयोय होगा । स्त्री पत्नी भी हो सकती है । लग्नेश का कर्म स्थान में बैठना आपके संबंधित कार्य में सफलता ओर नाम कराएगा । अगर ऊर्जा का सही इस्तेमाल करे तो कार्य क्षेत्र में कामयवी पक्की है । शुक्र का चंद्रमा की राशि में ,और चंद्रमा का 6 th में बैठना कार्य में उतार चढ़ाव को दिखाता है । लेकिन कई ऐसी स्तिथियाँ बन रही है की कार्य में सफलता मिलेगी । शिन 20.37 चंद्रमा शुक अतिमित्र शिन सर्वाधिक कारक ग्रह हे शुक्र की राशि में अतिमित्र हुए हे आयु अच्छी होगी / पतृक संपत्ति का लाभ होगा । पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि में अड्यन के साथ प्राप्ति को तिसा है। कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षत्र में संघर्ष और थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ पाहू चालित में फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा में चोट दुर्घटना कर सकता है । और अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते है । राहू गुरु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे है जो पराक्रम व मेहनत करने में सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा में किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						दे सकते हे दशा मे । शत्रु न के बराबर होंगे । परक्राम के
केतु के प्रभाव से मेहनत अधिक करनी होगी। गुरु की दरस्ती लग्न, पंचम, पराक्रम पर ओर राहू की भी सभी जगह दरस्ती हे तो सभी भाव के अच्छे फल संघर्ष के बाद ही प्राप्त होंगे। शुक्र 15.44 शिन चंद्र शत्रु श्रुक लग्नेश हे। ये कला, संगीत ,कविता आदि मे रुचि को दिखाता हे कार्य क्षत्र मे स्त्री का साथ व सहयोय होगा। स्त्री पत्नी भी हो सकती है। लग्नेश का कर्म स्थान में बैठना आपके संबंधित कार्य मे सफलता ओर नाम कराएगा। अगर ऊर्जा का सही इस्तेमाल करे तो कार्य क्षेत्र में कामयवी पक्की हे। शुक्र का चंद्रमा की राशि में ,और चंद्रमा का 6 th में बैठना कार्य में उतार चढ़ाव को दिखाता है। लेकिन कई ऐसी स्तिथियाँ बन रही हे की कार्य में सफलता मिलेगी। शिन 20.37 चंद्रमा शुक्र अतिमित्र शिन सर्वाधिक कारक ग्रह हे शुक्र की राशि में अतिमित्र हुए हे आयु अच्छी होगी / पतृक संपत्ति का लाभ होगा। पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा, प्रेम आदि में अइच्यन के साथ प्राप्ति का लाभ होगा। पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा, प्रेम आदि में अइच्यन के साथ प्राप्ति को दिखाता है। कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष और थोड़ी देरी कराएगी। शिन के साथ राहू चालित में फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा में चोट दुर्घटना कर सकता है। ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते हे। राहू व 08.45 साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने में सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा में किया गया पराक्रम ही मंगिल तक पहुचने मे						स्वामी अपने भाव को देख रहे हे तो मेहनत का फल भी
व्दस्ती लग्न ,पंचम,पराक्रम पर और राहू की भी सभी जगह दरस्ती है तो सभी भाव के अच्छे फल संघर्ष के बाद ही प्राप्त होंगे । शुक्र 15.44 शिन चंद्र शत्रु शुक्र लग्नेश है । ये कला, संगीत ,किवता आदि मे रुचि को दिखाता है कार्य क्षत्र मे स्त्री का साथ व सहयोय होगा । स्त्री पत्नी भी हो सकती है । लग्नेश का कर्म स्थान मे बैठना आपके संबंधित कार्य मे सफलता और नाम कराएगा । अगर ऊर्जा का सही इस्तेमाल करे तो कार्य क्षेत्र मे कामयवी पक्की है । शुक्र का चंद्रमा की रिशि मे ,और चंद्रमा का 6 th मे बैठना कार्य मे उतार चढ़ाव को दिखाता है । लेकिन कई ऐसी स्तिथियाँ बन रही है की कार्य मे सफलता मिलेगी । शिन कार्य को प्रदेश में सफलता मिलेगी । शिन संपत्ति का लाभ होगा । पंचम भाव पर शिन के साथ पूर्व की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि मे अइचन के साथ प्राप्ति को दिखाता है । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र मे संघर्ष और थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ राहू चालित मे फल दे रहे है तब अपनी दशा अंतर्दशा मे चोट दुर्घटना कर सकता है । और अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते है । यहू गुरु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग यह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						समय समय पर मिलेगा पर राहू के नक्षत्र में ,मंगल राहू व
व्यस्ती हे तो सभी भाव के अच्छे फल संघर्ष के बाद ही प्राप्त होंगे शुक्र 15.44 शिन चंद्र शत्रु शुक्र लग्नेश हे ये कला, संगीत ,किवता आदि मे रुचि को दिखाता हे कार्य क्षत्र मे स्त्री का साथ व सहयोय होगा स्त्री पत्नी भी हो सकती हे लग्नेश का कर्म स्थान मे बैठना आपके संबंधित कार्य मे सफलता ओर नाम कराएगा अगर ऊर्जा का सही इस्तेमाल करे तो कार्य क्षेत्र मे कामयवी पक्की हे शुक्र का चंद्रमा की रिश मे ,ओर चंद्रमा का 6 th मे बैठना कार्य मे उतार चढ़ाव को दिखाता हे लेकिन कई ऐसी स्तिथियाँ बन रही हे की कार्य मे सफलता मिलेगी शिन 20.37 चंद्रमा शुक्र अतिमित्र शिन सर्वाधिक कारक ग्रह हे शुक्र की राश मे अतिमित्र हुए हे आयु अच्छी होगी / पतृक संपित का लाभ होगा पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि मे अइचन के साथ प्राप्ति को दिखाता हे कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र मे संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी शिन के साथ राहू चालित मे फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा मे चोट दुर्घटना कर सकता हे ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते हे राहू व 08.45 राहू गुरु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						केतु के प्रभाव से मेहनत अधिक करनी होगी । गुरु की
शुक्र 15.44 शिन चंद्र शत्रु शुक्र लग्नेश है । ये कला, संगीत ,कविता आदि मे रुचि को दिखाता हे कार्य क्षत्र मे स्त्री का साथ व सहयोय होगा । स्त्री पत्नी भी हो सकती हे । लग्नेश का कर्म स्थान मे बैठना आपके संबंधित कार्य मे सफलता ओर नाम कराएगा । अगर ऊर्जा का सही इस्तेमाल करे तो कार्य क्षेत्र मे कामयवी पक्की हे । शुक्र का चंद्रमा की राशि मे ,ओर चंद्रमा का 6 th मे बैठना कार्य मे उतार चढ़ाव को दिखाता हे । लेकिन कई ऐसी स्तिथियाँ बन रही हे की कार्य मे सफलता मिलेगी । शिन सर्वाधिक कारक ग्रह हे शुक्र की राशि मे अतिमित्र हुए हे आयु अच्छी होगी / पत्न संपित का लाभ होगा । पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि मे अइचन के साथ प्राप्ति को तिखाता है । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र मे संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ राह् चालित मे फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा मे चोट दुर्घटना कर सकता है । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते है । राहू यु के साथ उच्च के हे सपीर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे है जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						दरस्ती लग्न ,पंचम,पराक्रम पर ओर राहू की भी सभी जगह
शुक्र 15.44 शिन चंद्र शृज अक्र लग्नेश है । ये कला, संगीत ,कविता आदि मे रुचि को दिखाता हे कार्य क्षत्र मे स्त्री का साथ व सहयोय होगा । स्त्री पत्नी भी हो सकती है । लग्नेश का कर्म स्थान मे बैठना आपके संबंधित कार्य मे सफलता ओर नाम कराएगा । अगर ऊर्जा का सही इस्तेमाल करे तो कार्य क्षेत्र मे कामयवी पक्की हे । शुक्र का चंद्रमा की राशि मे ,ओर चंद्रमा का 6 th मे बैठना कार्य मे उतार चढ़ाव को दिखाता हे । लेकिन कई ऐसी स्तिथियाँ बन रही हे की कार्य मे सफलता मिलेगी । शिन सर्वाधिक कारक ग्रह हे शुक्र की राशि मे अतिमित्र हुए हे आयु अच्छी होगी / पतृक संपत्ति का लाभ होगा । पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि मे अइचन के साथ प्राप्ति को दिखाता हे । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र मे संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ राहू चालित मे फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा मे चोट दुर्घटना कर सकता हे । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते हे । राहू गुरु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						दरस्ती हे तो सभी भाव के अच्छे फल संघर्ष के बाद ही
दिखाता है कार्य क्षत्र मे स्त्री का साथ व सहयोय होगा । स्त्री पत्नी भी हो सकती है । लग्नेश का कर्म स्थान मे बैठना आपके संबंधित कार्य में सफलता ओर नाम कराएगा । अगर ऊर्जा का सही इस्तेमाल करे तो कार्य क्षेत्र मे कामयवी पक्की हे । शुक्र का चंद्रमा की राशि में ,ओर चंद्रमा का 6 th में बैठना कार्य में उतार चढ़ाव को दिखाता हे । लेकिन कई ऐसी स्तिथियाँ बन रही है की कार्य मे सफलता मिलेगी । शिव 20.37 चंद्रमा शुक्र अतिमित्र शिव सर्वाधिक कारक ग्रह हे शुक्र की राशि में अतिमित्र हुए हे आयु अच्छी होगी / पतृक संपत्ति का लाभ होगा । पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि में अइचन के साथ प्राप्ति को दिखाता हे । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ राह् चालित में फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा में चोट दुर्घटना कर सकता है । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते हे । राह् व 08.45 केतु राह् कु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने में सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा में किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						प्राप्त होंगे ।
स्वी पत्नी भी हो सकती है । लग्नेश का कर्म स्थान मे बैठना आपके संबंधित कार्य में सफलता और नाम कराएगा । अगर ऊर्जा का सही इस्तेमाल करे तो कार्य क्षेत्र में कामयवी पक्की है । शुक्र का चंद्रमा की राशि में ,ओर चंद्रमा का 6 th में बैठना कार्य में उतार चढ़ाव को दिखाता है । लेकिन कई ऐसी स्तिथियाँ बन रही हे की कार्य में सफलता मिलेगी । शिन 20.37 चंद्रमा शुक्र अतिमित्र शिन सर्वाधिक कारक ग्रह हे शुक्र की राशि में अतिमित्र हुए हे आयु अच्छी होगी / पतृक संपत्ति का लाभ होगा । पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि में अइचन के साथ प्राप्ति को दिखाता है । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ राहू चालित में फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा में चोट दुर्घटना कर सकता है । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते है । याहू वुक के साथ उच्च के है सपीर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे है जो पराक्रम व मेहनत करने में सहायक है परंतु सही दिशा व दशा में किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने में	शुक्र	15.44	शनि	चंद्र	शत्रु	शुक्र लग्नेश हे । ये कला, संगीत ,कविता आदि मे रुचि को
बैठना आपके संबंधित कार्य मे सफलता ओर नाम कराएगा अगर ऊर्जा का सही इस्तेमाल करे तो कार्य क्षेत्र मे कामयवी पक्की हे शुक्र का चंद्रमा की राशि मे ,ओर चंद्रमा का 6 th मे बैठना कार्य मे उतार चढ़ाव को दिखाता हे लेकिन कई ऐसी स्तिथियाँ बन रही हे की कार्य मे सफलता मिलेगी शिन 20.37 चंद्रमा शुक्र अतिमित्र शिन सर्वाधिक कारक ग्रह हे शुक्र की राशि मे अतिमित्र हुए हे आयु अच्छी होगी / पतृक संपत्ति का लाभ होगा पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि मे अइचन के साथ प्राप्ति को दिखाता हे कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र मे संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी शिन के साथ राहू चालित मे फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा मे चोट दुर्घटना कर सकता हे ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते हे राहू गुरु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						दिखाता हे कार्य क्षत्र मे स्त्री का साथ व सहयोय होगा ।
अगर ऊर्जा का सही इस्तेमाल करे तो कार्य क्षेत्र में कामयवी पक्की है । शुक्र का चंद्रमा की राशि में ,ओर चंद्रमा का 6 th में बैठना कार्य में उतार चढ़ाव को दिखाता है । लेकिन कई ऐसी स्तिथियाँ बन रही है की कार्य में सफलता मिलेगी । शिन 20.37 चंद्रमा शुक्र अतिमित्र शिन सर्वाधिक कारक ग्रह है शुक्र की राशि में अतिमित्र हुए हैं आयु अच्छी होगी / पतृक संपित का लाभ होगा । पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि में अइचन के साथ प्राप्ति को दिखाता है । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ राहू चालित में फल दे रहे है तब अपनी दशा अंतर्दशा में चोट दुर्घटना कर सकता है । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते हैं । राहू व 08.45 राहू गुरू के साथ उच्च के है सपोर्टिंग ग्रह है अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हैं जो पराक्रम व मेहनत करने में सहायक है परंतु सही दिशा व दशा में किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						स्त्री पत्नी भी हो सकती हे । लग्नेश का कर्म स्थान मे
कामयवी पक्की है । शुक्र का चंद्रमा की राशि में ,ओर चंद्रमा का 6 th में बैठना कार्य में उतार चढ़ाव को दिखाता है । लेकिन कई ऐसी स्तिथियाँ बन रही हे की कार्य में सफलता मिलेगी । शिन 20.37 चंद्रमा शुक्र अतिमित्र शिन सर्वाधिक कारक ग्रह हे शुक्र की राशि में अतिमित्र हुए हे आयु अच्छी होगी / पतृक संपत्ति का लाभ होगा । पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि में अइचन के साथ प्राप्ति को दिखाता हे । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ राहू चालित में फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा में चोट दुर्घटना कर सकता हे । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते हे । राहू व 08.45 राहू गुरु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने में सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा में किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						बैठना आपके संबंधित कार्य में सफलता ओर नाम कराएगा
चंद्रमा का 6 th में बैठना कार्य में उतार चढ़ाव को दिखाता है । लेकिन कई ऐसी स्तिथियाँ बन रही हे की कार्य में सफलता मिलेगी । शिन 20.37 चंद्रमा शुक्र अतिमित्र शिन सर्वाधिक कारक ग्रह हे शुक्र की राशि में अतिमित्र हुए हे आयु अच्छी होगी / पतृक संपित का लाभ होगा । पंचम भाव पर शिन के साथ पूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि में अइचन के साथ प्राप्ति को दिखाता है । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ राहू चालित में फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा में चोट दुर्घटना कर सकता है । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते है । राहू व 08.45 राहू गुरु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने में सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा में किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						। अगर ऊर्जा का सही इस्तेमाल करे तो कार्य क्षेत्र मे
है । लेकिन कई ऐसी स्तिथियाँ बन रही हे की कार्य में सफलता मिलेगी । शिन 20.37 चंद्रमा शुक्र अतिमित्र शिन सर्वाधिक कारक ग्रह हे शुक्र की राशि में अतिमित्र हुए हे आयु अच्छी होगी / पतृक संपत्ति का लाभ होगा । पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि में अइचन के साथ प्राप्ति को दिखाता हे । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष और थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ राहू चालित में फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा में चोट दुर्घटना कर सकता है । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते है । राहू व 08.45 राहू गुरु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने में सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा में किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						कामयवी पक्की हे । शुक्र का चंद्रमा की राशि मे ,ओर
सफलता मिलेगी । शिन 20.37 चंद्रमा शुक्र अतिमित्र शिन सर्वाधिक कारक ग्रह हे शुक्र की राशि मे अतिमित्र हुए हे आयु अच्छी होगी / पतृक संपत्ति का लाभ होगा । पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि मे अइचन के साथ प्राप्ति को दिखाता हे । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र मे संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ राहू चालित मे फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा मे चोट दुर्घटना कर सकता हे । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते हे । राहू व 08.45 राहू गुरु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						चंद्रमा का 6 th मे बैठना कार्य मे उतार चढ़ाव को दिखाता
शिन 20.37 चंद्रमा शुक्र अतिमित्र शिन सर्वाधिक कारक ग्रह हे शुक्र की राशि मे अतिमित्र हुए हे आयु अच्छी होगी / पतृक संपत्ति का लाभ होगा । पंचम भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि मे अइचन के साथ प्राप्ति को दिखाता हे । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र मे संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ राहू चालित मे फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा मे चोट दुर्घटना कर सकता हे । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते हे । सहू व कितु अंग के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						हे । लेकिन कई ऐसी स्तिथियाँ बन रही हे की कार्य मे
हे आयु अच्छी होगी / पतृक संपत्ति का लाभ होगा । पंचम भाव पर शनि के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि मे अइचन के साथ प्राप्ति को दिखाता हे । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र मे संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ राहू चालित मे फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा मे चोट दुर्घटना कर सकता हे । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते हे । यह व विकेतु केतु धर्म के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						सफलता मिलेगी ।
भाव पर शिन के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि में अड़चन के साथ प्राप्ति को दिखाता है । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ राहू चालित में फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा में चोट दुर्घटना कर सकता है । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते है । राहू व 08.45 केतु एाहू गुरु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने में सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा में किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे	शनि	20.37	चंद्रमा	शुक्र	अतिमित्र	शनि सर्वाधिक कारक ग्रह हे शुक्र की राशि मे अतिमित्र हुए
आदि में अड़चन के साथ प्राप्ति को दिखाता है । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी । शनि के साथ राहू चालित में फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा में चोट दुर्घटना कर सकता है । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते है । राहू व 08.45 राहू गुरु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने में सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा में किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						हे आयु अच्छी होगी / पतृक संपत्ति का लाभ होगा । पंचम
पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र मे संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी । शिन के साथ राहू चालित मे फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा मे चोट दुर्घटना कर सकता है । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते हे । राहू व 08.45 केतु राहू गुरु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						भाव पर शनि के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम
शिन के साथ राहू चालित में फल दे रहे हे तब अपनी दशा अंतर्दशा में चोट दुर्घटना कर सकता है । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते हे । राहू व 08.45 केतु साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने में सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा में किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						आदि मे अड़चन के साथ प्राप्ति को दिखाता है । कर्म स्थान
अंतर्दशा मे चोट दुर्घटना कर सकता है । ओर अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते है । राहू व 08.45 केतु साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष ओर थोड़ी देरी कराएगी।
होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते है । राहू व 08.45 केतु साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						शनि के साथ राहू चालित मे फल दे रहे हे तब अपनी दशा
राहू व 08.45 राहू गुरु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						अंतर्दशा मे चोट दुर्घटना कर सकता हे । ओर अचानक
केतु साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे						होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते हे ।
जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे	राहू व	08.45				राहू गुरु के साथ उच्च के हे सपोर्टिंग ग्रह हे अच्छे फल देंगे
व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे	केतु					साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बड़ा रहे हे
						जो पराक्रम व मेहनत करने मे सहायक हे परंतु सही दिशा
मदद करेगा इसलिए सोच विचार कर कदम उठायें						व दशा मे किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुचने मे
						मदद करेगा इसलिए सोच विचार कर कदम उठायें

01/12/2002 to 1/11/2021 तक शिन की दशा चालू है । शिन योग कारक हे ,यह दशा सपोर्टिंग हे परंतु इनके पास बल काम हे ओर चालित मे राहू के साथ हे । शिन 1/11/2021 दशा खत्म होते होते अच्छा फल मिलेंगे राहू के साथ दुर्घटना योग बनाए हुए हे तब स्वस्थ का ध्यान विशेष रखे ओर नियमित पूरी जिंदगी हनुमान जी की आराधना करे बजरंग बाण या हनुमान चिलिषा पाठ करे । यही एक मात्र उपाय से अच्छे फल मिलेंगे ।

<mark>अंतर्दशा -</mark>

शिन राह् --6/2016 से 4/2019 तक ठीक मिले जुले फल ज्यादातर कठिन समय होगा ।

शनि गुरु --4/2019 से 11/2021 अच्छा समय ,पराक्रम अच्छा ,शिक्षा मे लाभ ,प्रेम प्रसंग भी बन सकता हे पर प्रेम मे सफलता मुश्किल से मिलेगी

11/2021 से 11/2038 तक बुध की दशा होगी बुध भगएश हे ओर स्वराशि के हे अच्छा बल हे तब थोड़ा खर्च बड़ेगा परंतु धन लाभ व अन्य लाभ ,विदेश यात्रा आदि के योग बनते रहेंगे ।

सपोर्टिंग ग्रह -शनि,बुध ,शुक्र

रत्न = सोने की अंगूठी ,दाए हाँथ की मिडल उंगली नीली रत्न पहन सकते हे या लोहे का छल्ला उसी उंगली मे पहने ।

कलर=नीला ,हरा ,सफेद ,लाल पीला नहीं पहने

दिशा -पश्चिम ,उत्तर ,दक्षिण -पूर्व

<mark>पूजा =</mark>हनुमान चलिसा तथा बजरंग बाण पाठ करे हनुमान जी की आराधना करे व शनि के मंत्र जप हमेशा करे

शादी -----सप्तमेश पर राहू व केतु का प्रभाव व शुक्र भी मंगल से द्रस्त ,सप्तमेश व लग्न का संबंध । नवमाश मे भी लग्न व सप्तम मे राहू,केतु मंगल ओर शुक्र का राशि परिवर्तन ,प्रेम विवाह के कुछ प्रभाव को दिखा रहा है हालांकि सूर्य की पंचम पर दरस्ती प्रेम को कमजोर करेगी ओर गुरु का लग्न व पंचम पर दरस्ती विवाह मे घर वालों की रजामंदी को दिखा रहा है । तब लव व औरन्ज दोनों तरह की शादी की संभवना बन सकती है । 11/2021 से 3/2025 बुध बुध ओर बुध के साथ केतु की दशायों मे संघर्ष होगा उसके बाद आने वाले समय मे सारी मनोकामनाएं पूरी होती दिख रही है 1/2028 तक शादी भी संभव होगी

नौकरी -----दशमांश चार्ट में कर्म स्थान पर राहू की दरस्ती, लग्नेश का पराक्रम में ओर दशम के स्वामी का 6 th में जाना कार्य स्थल पर संघर्ष दिखाता है। लग्न चार्ट में शनि की कर्म भाव पर दरस्ती व दशम के स्वामी चंद्रमा का कमजोर होकर 6 th में बैठना भी उतार चढ़ाव को दिखती है। कार्य में वदलाव व ट्रांसफर होता रहेगा। कम्यूनिकेशन स्किल कार्य के दौरान अच्छा सपोर्ट करेगी। साथ ही कार्य स्थल पर सहयोग अच्छा प्राप्त होगा। गुरु से संबंधित कार्य /बिजनस व पिता के साथ मिल कर किए कार्य में सफलता मिल सकती है।

ओम नमः शिवाय